

No. SE/PWD/B and R/Chandigarh/426/R.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that land is likely to be taken by the Government, at public expenses, for a public purpose, namely, for Constg. link road from Badhaur to Meerpur in Ambala District, it is hereby notified that the land described in the specification below is required for the above purpose.

This notification is made under the provisions of Section IV of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested in the above land, who has any objection to the acquisition of any land in the locality may within 30 days of the publication of this notification, file an objection in writing before the Land Acquisition Collector No. I, Hayana P. W. D., B. & R. Branch, Ambala Cantt.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in Acres	Rectangle/Khasra Nos.
Ambala	Naraingarh	Badhaur, H. B. No. 208		3.16	4 20/1 to 20/11 5 17, 24, 25/1, 25/2, 14 3, 7, 9/1, 12/1, 12/2, 12/3, 13, 18, 19 14 21 19, 21, 22/1, 22/2, 1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 21 9, 10, 11, 12, 19, 20/1, 20/2, 21, 22, 26 34 1/1, 1/2/1, 1/2/2, 1/2, 2, 26, 1/3, 2 74, 75, 76/1, 76/2, 85, 89, 90, 65, 115, 116, 117, 118, 118/1, 121, 149, 157.

No. SE/PWD/B & R/Chandigarh/427/R.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that land is likely to be taken by the Government, at public expenses, for a public purpose, namely, for constructing of link road from Chiken to village Miranpur Bakchiwal in district Ambala, it is hereby notified that the land described in the specification below is required for the above purpose.

This notification is made, under the provision of Section IV of the Land Acquisition Act, 1984, to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested in the above land, who has any objection to the acquisition of any land in the locality may, within 30 days of the publication of this notification file an objection in writing before the Land Acquisition Collector, No I, Haryana P.W.D. B. & R. Branch, Ambala Cantt.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in acres	Khasra No.
Ambala	Kalka	Chicken	185	2.20	59, 60, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 166, 167, 168, 171, 174, 175, 176, 179, 180, 181, 182, 340, 339, 156, 157.
Ambala	Kalka	Miranpur Bakshiwal	194	2.02	116, 286, 287, 289, 290, 291, 288, 292, 293, 399, 390, 401, 402.
Total				4.22	

(Sd.) . . .

Superintending Engineer,
Chandigarh Circle, Hr. PWD, B&R Branch,
Chandigarh.

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 31 जुलाई, 1984

सं. ओ.वि./एफ.डी./2/108-84/27625.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै. राजवन्त इंजीनियरिंग वर्कस, 1डी/16ए, एन. आई. टी., फरीदाबाद, के श्रमिक श्री सत्य नारायण तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलेमें कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री सत्य नारायण की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 6 अगस्त, 1984

सं. ओ.वि./सोनीपत/172-84/28294.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै. आरगनो कैमीकल इण्डस्ट्रीज, एम-3, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, सोनीपत, के श्रमिक श्री राजेन्द्र प्रसाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ?

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 9941-1-अम/70/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी अधिसूचना सं. 3864-ए०एम०ओ० (ई) 70/1348, दिनांक 8 मई, 1970 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राजेन्द्र प्रसाद की सेवाओं का समापन न्यायोचित है तथा ठीक है ? तो वह किस राहत का हकदार है।

दिनांक 10 अगस्त, 1984

सं० औ०वि०/एफ०डी०/129-84/29699.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० एस० के० प्रोसेस, 22-ए, एन० आई० टी०, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राम तीर्थ तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पठित हुए अधिसूचना सं. 11495-जी०अम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राम तीर्थ की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/अम्बाला/115-83/29706.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० मैनेजिंग डायरेक्टर हरियाणा एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लि०, सेक्टर 22-ए, चण्डीगढ़, के श्रमिक श्री श्याम लाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44)84-3-अम, दिनांक 19 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री श्याम लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/अम्बाला/115-83/29712.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० मैनेजिंग डायरेक्टर हरियाणा एग्रो इण्डस्ट्रीज, कारपोरेशन लि०, सेक्टर 22-ए, चण्डीगढ़, के श्रमिक श्री जय पाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44)84-3-अम, दिनांक 19 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री जय पाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?